अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका
ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

# उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

**श्रीमती प्राची अनर्थ**
पं. हरिशंकर शुक्ल स्मृति
महाविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

**सारां□ा :–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आधुनीकरण के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है। आधुनिकरण के विभिन्न आयामों के आधार पर उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र–छात्राओं की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 100 छात्र छात्राओं का चयन यादृच्छिक, सर्वेक्षण विधि से किया गया है और निष्कर्ष पाया उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र व छात्राओं की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। उपरोक्त वर्णित आधुनिकता के सिर्फ नारी दशा, वैवाहिक संबंध व सामाजिक सांस्कृतिक तथ्यों के आधारित आयामों का ही अध्ययन किया गया है व उपरोक्त परिणामों के आधार पर कहा जा सकता है कि विद्यार्थियों में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक है।

**प्रस्तावना :–**

शिक्षा की प्रक्रिया एक गतिमान प्रक्रिया है, प्रत्येक क्षेत्र में देशकाल व समय परिस्थिती के आधार पर शिक्षा के हर क्षेत्र में परिवर्तन भी दृष्टिगत होते रहते है। शिक्षा के उद्देश्य नित नये आयामों से प्रभावित होते है, शैक्षिक परिवर्तन शैक्षिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है और प्रगति आधुनिक विचारों का ही आधार होती है। आज के युग में आधुनीकिकरण सामाजिक शैक्षिक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती है। आधुनीकिरण का आधार भी शिक्षा है और शिक्षा की प्रक्रिया आधुनिक अभिवृत्ति के आयामों से प्रभावित होती है, इन आयामों में सामाजिक, संबंध पारिवारिक संबंध राजनैतिक क्षेत्र, धर्म, रीतियॉ व व्यक्तियों की दशा शामिल है, इन सारे आयामों के प्राव शिक्षा के प्रगतिशील उद्देश्यों को प्रभावित करते है। आधुनिकरण साामजिक शैक्षिक परिवर्तन का एक मुख्य कारण है। आधुनीकरण वह प्रक्रिया हैं, जिसके माध्यम से व्यक्ति आधुनिकरण को सामाजिक व शैक्षिक कारकों को प्रतिपादित करती है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

**आधुनीकिकरण** :–

आधुनीकिकरण, एक नवीन मानसिक उपज की दशा हैं, जिसमें मशीनों तथा प्रविधियों के उपयोग के लिए नई पृष्ठभूमि निर्मित होती है तथा प्रत्येक व्यवहार व उद्देश्यों व कार्यों के लिए नवीन वैचारिक अभिवृत्ति है, जिसके माध्यम से नये प्रारूप को रूप दिया जाता है।

**समस्या कथन** :–

**उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं विद्यार्थियों की आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।**

**प्रमुख पदों की प्रकार्यात्मक परिभाशा** :–

**अभिवृत्ति** :–

शिक्षा के माध्यम से बालकों के व्यक्तित्व रूचियों आदतों व व्यवहारों को परिमार्जित किया जा सकता है। बालक स्व अध्ययन व क्रिया आधारित कार्यों के माध्यम से आदतों को निर्मित करता है और अपनें आदतों के आधार पर विभिन्न वृत्तियों को प्रदर्शित करता है। अतः यही व्यवहार या वृत्तियाँ मनुष्य के व्यक्तित्व की परिचायक हेातें है। ये मानसिक तथ्यों पर आधारित होते है। हम जो भी विचार या व्यवहार दूसरों के प्रति प्रदर्शित करती है।

अतः अभिवृत्तियों धनात्मक व ऋणात्मक दोनों प्रकार की होती है। जो कि अनुकूल व प्रतिकूल परिस्थितियो में विचारों या व्यवहारों से निर्मित होती है। इस प्रकार अभिवृत्ति किसी के विचार, व्यवहार और प्रयुक्त संदर्भ के ज्ञान के प्रति प्रतिक्रियाको प्रदर्शित करने की निर्धारण रेखा होती है। जिसके माध्यम से व्यक्ति के व्यक्तित्व, व्यवहार, विचार व ज्ञान संदर्भित होते है।

**अभिवत्ति की परिभाशा** :–

**प्रो. एस. के. दुबे के अनुसार** :– ''अभिवृत्ति बाह्य व्यवहार का वह महत्वपूर्ण कारक है, जो व्यक्ति की किसी मनावैज्ञानिक पदार्थ के प्रति अनुकूल व प्रतिकूल भावा को प्रदर्शित करता है।''

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

**अभिवृत्ति का स्वरूप** :–

अभिवृत्ति दो प्रकार की होती है। धनात्मक व ऋणात्मक, धनात्मक अभिवृत्ति सकारात्मक व्यवहार के प्रति, अनुकूलन करना सीखाती है या व्यवहार प्रदर्शित करती है और ऋणात्मक अभिवृत्ति ऋणात्मक व्यवहार के प्रति, प्रतिकूल व्यवहार प्रदर्शित करती है। सामान्य व्यवहार सामान्य अभिवृत्ति को प्रदर्शित करती है। जबकि अपनी रूचि क आधार पर विशेष व्यवहार विचार निर्माण विशिष्ट अभिवृत्ति को दर्शाता है।

मानवों की विभिन्न अभिवृत्तियां आदतों व संबंधों का मूल स्त्रोत हैं तथा ये आदतें विभिन्न उद्देश्यों के सामाजिक, संवेगात्मक और संज्ञानात्मक सहयोग के मात्रात्मक तथा गुणात्मक मापदण्ड को विकसीत करते है। ये सारे मानदण्ड बालकों के विभिन्न अध्ययन संबंधी आदतों व अभिवृत्तियों में उपलब्ध होते है।

तात्पर्य यह है कि वैचारिक अभिवृत्ति एक ऐसी कड़ी है, जिसमें बालक के विकास के सभी आयाम सम्मिलित है। प्रत्येक बालक अपनी शिक्षा का प्रारंभ विभिन्न आदतो को विकसित कर समायोजन अनुशासन व शिक्षा के संवर्धन मे समायोजन को विकसित करता हैं तथा समायोजन की प्रक्रिया अध्ययन आदतों को विकसित करती है, विद्यालयीन वातावरण बालकों में आदतों को निर्मित करते हैं तथा आदतों के शोधन हेतु पारिवारिक सामाजिक विद्यालयीन घटकों को ध्यान हमेशा ही रखा जाता है और बालकों में नियंत्रण व प्रत्येक तर्क के तथ्यों का संग्रह व पृष्ठ पोषण के आधार पर तिरस्कार दण्ड, अनुशासन व समायोजन व अध्ययन में स्वायत्ता को प्रभावित करने वाले सभी तत्वों ही अध्ययन आदतों को मजबूत बनाती है।

**आधुनिकरण** :–

आधुनिकरण व आधुनिकता दोनों का गहरा प्रत्यक्ष संबंध है। आधुनिकीकरण की धारणा नई वृत्तियों, विचारों के प्रति व्यवहारों को अपनाकर आधुनिकता के प्रभावों से परिवर्तित होकर सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया को नई गति प्रदान करती है। परिवर्तन हर क्षेत्र में देशकाल परिस्थिति व समय के आधार पर आधुनिकरण की प्रक्रिया में प्रचलित विचारों में रूपांतरण व परिवर्तन की मांग को प्रसारित किया जाता है। परिवर्तन प्रकृति का प्रमुख व अनिवार्य नियम होता है। प्रत्येक समाज की प्रकृति गतिशील होती है। अतः प्रत्येक मानव भी नए विचारों नई प्रक्रियाओं व तकनीकि भौतिक अवस्था का तार्किक रूप से

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

उपयोग का आधुनिक विचारों की नई पृष्ठभूमि को निर्मित करना चाहता है। परिणाम स्वरूप आधुनिकीकरण की प्रक्रिया प्रत्येक समाज को नई दिशा प्रदर्शित करती है।

**आधुनिकीकरण के प्रभावित क्षेत्र :–**

**आधुनिकता तथा पारिवारिक संबंध :–**

अनुकूलता यह है कि आधुनिकता ने पारिवारीक जीवन से रूढ़िवादिता पिछड़ापन दकियानुसीपन जैसे बुरी परछाइयों को कोसा दूर कर दिया ह आंतरिक तथा बाह्य संबंधों में पारदर्शिता आ गई

**आधुनिकता तथा स्त्री दशा :–**

आधुनिकता ने लोगो के विचार बदले और उसी विचार ने स्त्री की पद व्यवस्था को दिनोदिन उन्नति का मार्ग प्रदान किया परिणामस्वरूप आज भारतीय समाज में हर एक क्षेत्र में स्त्रीयों का योगदान सराहनीय है।

**आधुनिकता तथा राजनैतिक क्षेत्र :–**

आधुनिकता में राजनैतिक पृष्ठभूमि को भी प्रभावित किया। आधुनिकीकरण ने राज्य को कल्याणकारी राज्य घोषित किया। इसके फलस्वरूप राज्य के अनेक कार्यों का संपादन बढ़ा। अब राज्यों को धर्म एंव संप्रदाय के नाम पर कोई खास महत्व प्रदान नहीं किया जा सकता है। इसका कारण है कि राज्य धर्म निरपक्ष होते जा रहे है।

**आधुनिकता और धर्म :**

भारतीय समाज ने आधुनिक विचार धाराओं को अपनाकर समाज में धर्म का स्वरूप बदल दिया।

**आधुनिकता एवं वैवाहिक रीतियाँ :**

वैवाहिक क्षेत्र में भी आधुनिकीकरण का प्रभाव स्पष्ट दिखाई द्य पड़ती है। आधुनिकता ने विवाह के उद्देश्यों को परिवर्तित कर दिया है। आधुनिक विवाह धार्मिक भावनाओं से प्रेरित होकर नहीं किए जाते है।

**अध्ययन का औचित्य :–**

आधुनिकरण की अभिवृत्ति प्रत्येक कार्यक्षेत्र को परिवर्तन कर रही है, जिसके परिणाम स्वरूप नई तकनीकें, नई विधियॉ, नई प्रविधियों व शिक्षा के प्रत्येक आयामों को नई पृष्ठभूमि प्रदान कर रही है। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जहॉ आधुनिकता ने नए आधार

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

स्थापित ना किए हो, शिक्षा के साथ समाज, राजनीति, परिवारिक पृष्ठभूमि, धर्म, रीति रिवाज, मानवों की सामाजिक स्थिति जैसे– विभिन्न आयामों में हर क्षेत्र को प्रभावित किया है, इसीजिए इस क्षेत्र में शोध कार्यो को भी नए रूप में प्रस्तुत करने की आवश्यकता है ताकि यह जाना जा सके की आधुनिक अभिवृत्ति विभिन्न आयामों को कैसे प्रभावित करती है, और इन प्रभाव क्षेत्रों को जानकार शिक्षा को भी बालकों के रूचि के आधार पर उनकी योग्यता को विकसित किया जा सकता है।

**संबंधित भाोध साहित्य :–**

- कौर व ढिल्लन (2013) ने शहरी एवं ग्रामीण हायर सेकेण्ड्री स्तर के विद्यार्थियों के आधुनिक व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन किया।

  उद्देश्य :– शहरी एवं ग्रामीण हायर सेकेण्ड्री स्तर के विद्यार्थियों के आधुनिक व्यवहारों का तुलनात्मक अध्ययन करना।

  निष्कर्ष :– निष्कर्ष रूप में पाया कि शहरी एवं ग्रामीण हायर सेकेण्ड्री स्तर के विद्यार्थियों के आधुनिक व्यवहारों में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

- चित्रा सिंह :– (2014) शिक्षा की पारस्परिक व आधुनिक अवधारणा और शिक्षकों की भूमिका।

  उद्देश्य – शिक्षा की पारस्परिक एवं आधुनिक अवधारणा में शिक्षकों की भूमिका का अध्ययन।

  निष्कर्ष :– प्रस्तुत लेख सरकारी, गैर सरकारी, उॅच–नीच की दृष्टि से समाज के हिस्से के बीच परम्परा व आधुनिकरण के संघर्ष में द्वंद्व के परिपेक्ष्य में शिक्षकों की भूमिका पर विचार प्रस्तुत किया है।

- दीप्ती दिक्षीत :– (2017) आधुनिकरण व महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर अध्ययन किया।

  उद्देश्य – महिलाओं के सशक्तिकरण में शिक्षा व आधुनिकता कि विशेष भूमिका का अध्ययन करना।

  निष्कर्ष– शिक्षा व्यस्क जीवन के प्रति स्त्रियों के विकास के लिए एक आधार रूप विशेष भूमिका अदा करती है। शिक्षित महिलाएँ सभी समस्याओं का समाधाान कर सकती है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

स्त्री शिक्षा राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय विकास में मदद करती है। इन्होंने विभिन्न साक्षरता दरों के विश्लेषण को प्रस्तुत किया। भूमिका पर विचार प्रस्तुत किया है।

**अध्ययन के उद्देश्य :–**

- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर के अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं की शिक्षा के प्रति आधुनिकरण की अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के अभिभावक संबंध के प्रति आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं के राजनीति के प्रति आधुनिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के धर्म के संबंध में आधुनिक अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

**अध्ययन की परिकल्पनाएं :–**

प्रस्तुत शोध हेतु नि. लि. परिकल्पनाएं निर्मित की गई है :–

- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में शिक्षा के प्रति आधुनीकिकरण की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगां
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में अभिभावक के प्रति आधुनिकरण की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर मे अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में राजनीतिक सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।
- ❖ उच्चतर माध्यमिक स्तर में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं में धर्म के प्रति आधुनिकरण की अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

**अध्ययन का परिसीमन :–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन केवल रायपुर जिले के कक्षा ग्यारहवीं में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं तक सीमित है। जिसमें से न्यादर्श के रूप में केवल 100 विद्यार्थियों को चयन यादृच्छिक विधि से किया जाएगा।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

प्रस्तुत शोध अध्ययन में केवल आधुनीकिकरण की अभिवृत्ति क 4 आयामों के आधार पर अभिवृत्ति को जाना गया है।

**भाोध विधि :–**

शोध विधि के रूप में सर्वेक्षण विधि के आधार पर गणना की गई है।

**चर :–**

प्रस्तुत शोध अध्ययन में आधुनीकिकरण की अभिवृत्ति स्वतंत्र चर है और उसके विभिन्न आयाम परतंत्र चर है।

**प्रमुख उपकरण :–**

एस.पी. अहलुवालिया एवं प्रा. अशोक के कालिया द्वारा निर्मित उपकरण आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति मापनी का प्रयोग किया गया है।

**प्रयुक्त सांख्यिकीय विधि :–**

प्रस्तुत शोध अनुसंधान में प्रदत्तों के विश्लेषण विचलन, व क्रांतिक अनुपात द्वारा किया गया है।

**निश्कर्श :–**

**परिकल्पना H 01**

कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शिक्षा के प्रति आधुनिकीकरण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायगा

उपर्युक्त परिकल्पना की जांच करने के लिए 50 छात्र एवं 50 छात्राओं को उद्देश्यपूर्ण प्रतिदर्श के रूप में लिया गया है। इनका अध्ययन पूर्व निर्मित अभिवृत्ति मापनी की सहायता से प्राप्त मूल प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं CR मूल्य ज्ञात करके किया गया जिसका विवरण सारणी कमांक 4.1 में है

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

**सारणी कमांक 1**

ग्यारहवीं के छात्र एवं छात्राओं का शिक्षा के संबंध में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण के प्राप्तांकों का माध्य, प्रमाप विचलन व CR मूल्य सारणी

| चर िक्षा | संख्या | माध्य | प्रमापविचलन | CR मूल्य | सार्थक/सार्थक नहीं |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 50 | 26.78 | 3.7 | 2.0 | सार्थक |
| छात्रा | 50 | 28.1 | 2.81 | | |
| Df | 98 | | | | |

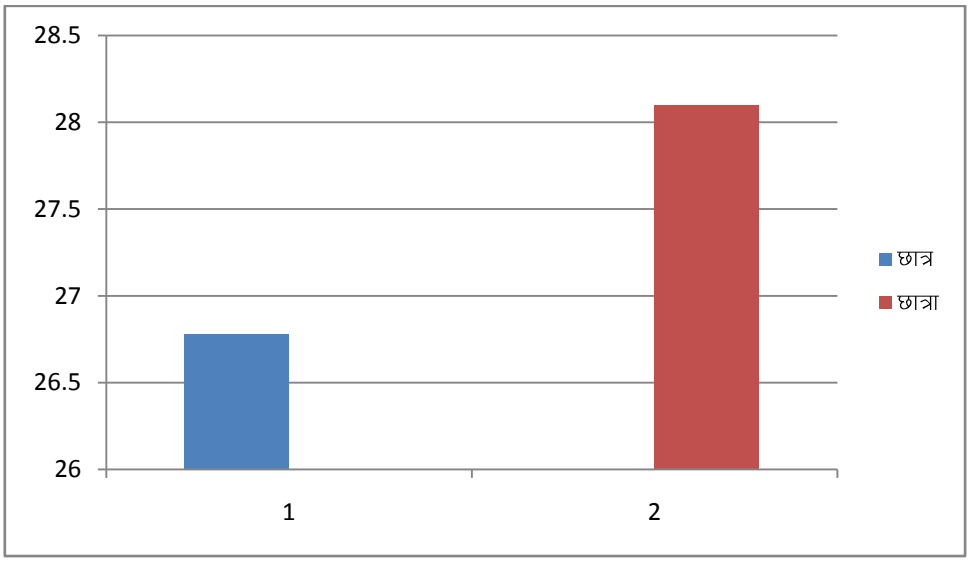


उपरोक्त सारणी से पता चलता है कि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में ग्याहरवीं के विद्यार्थियों में आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति के बीच जो CR मूल्य प्राप्त हुआ। CR मूल्य=2.0 यह 0.01 स्तर पर सार्थक नहीं है लेकिन 0.05 स्तर पर सार्थक है अर्थात यह परिकल्पना ''कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शिक्षा के प्रति आधुनिकोकरण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायगा'' आंशिक अस्वीकृत होती है। इसका कारण है कि आधुनिकता से शिक्षा को जोड़ने पर छात्राएं ज्यादा प्रभावित हो रही हैं। इसलिए छात्राओं को लाभ भी मिल रहा है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

**परिकल्पना H 02**

''कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत् छात्र एवं छात्राओं के अभिभावक संबंध में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायगा।''

उपरोक्त परिकल्पना के लिए भी 100 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप में लिया गया। अभिवृत्ति मापनी के कल प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं CR मूल्य की गणना की गई। इसका विवरण उच्चतर माध्यमिक के छात्रा छात्राओं का बालक अभिभावक संबंध में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण के प्राप्तांकों का माध्य, प्रमाप विचलन एवं CR मूल्य सारणी

**सारणी कमांक 2**

| चर िक्षा | संख्या | माध्य | प्रमापविचलन | CR मूल्य | सार्थक / सार्थक नहीं |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 50 | 24.5 | 2.5 | 0.34 | सार्थक नहीं |
| छात्रा | 50 | 24.34 | 2.27 | | |
| Df | 98 | | | | |

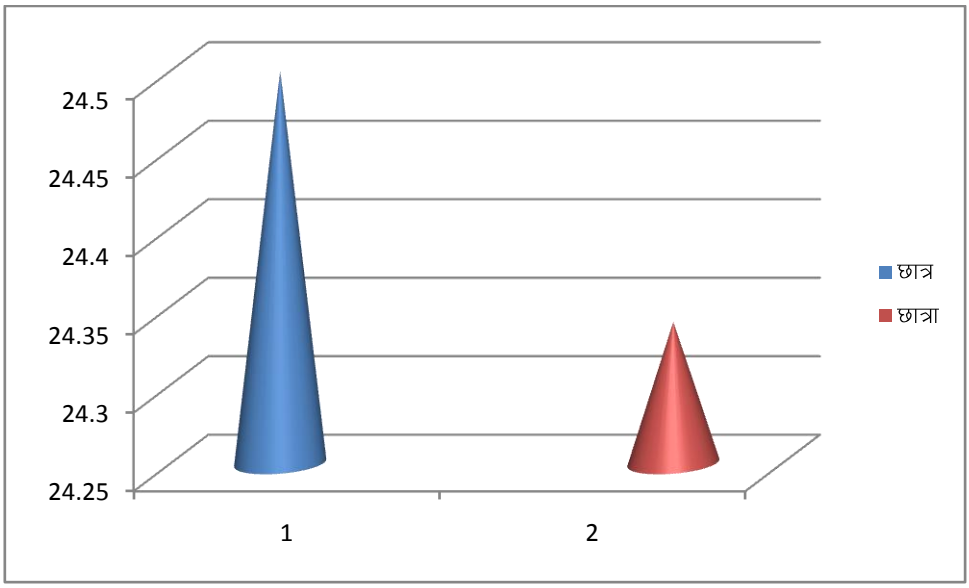

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि ग्याहरवीं के छात्रों का अभिभावक संबंध में आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति ज्ञात करने पर प्रथम समूह छात्रों का मध्यमान 24.5 तथा प्रमाप विचलन 2.5 है। इसी तरह द्वितीय समूह छात्राओं का मध्यमान 24.34 एवं प्रमाप विचल 2.27 है। इन दोनों के माध्य का CR मूल्य 0.34 है। यह 0. 05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः यह परिकल्पना ष्कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के अभिभावक संबंध में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जायगाष स्वीकृत होती है।

**परिकल्पना H 03**

''कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं में राजनीति के प्रति आधुनिकता का दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।''

उपरोक्त परिकल्पना के लिए अभिवृत्ति मापनी के मूल प्राप्तांकों का मध्यमान प्रमाप विचलन, और ब्त मूल्य की गणना की गई। इसका विवरण निम्न सारणी में व्यक्त है।

**सारणी कमांक 3**

| चर िक्षा | संख्या | माध्य | प्रमापविचलन | CR मूल्य | सार्थक/सार्थक नहीं |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 50 | 29.04 | 2.90 | 0.53 | सार्थक नहीं |
| छात्रा | 50 | 29.52 | 2.48 | | |
| Df | 98 | | | | |

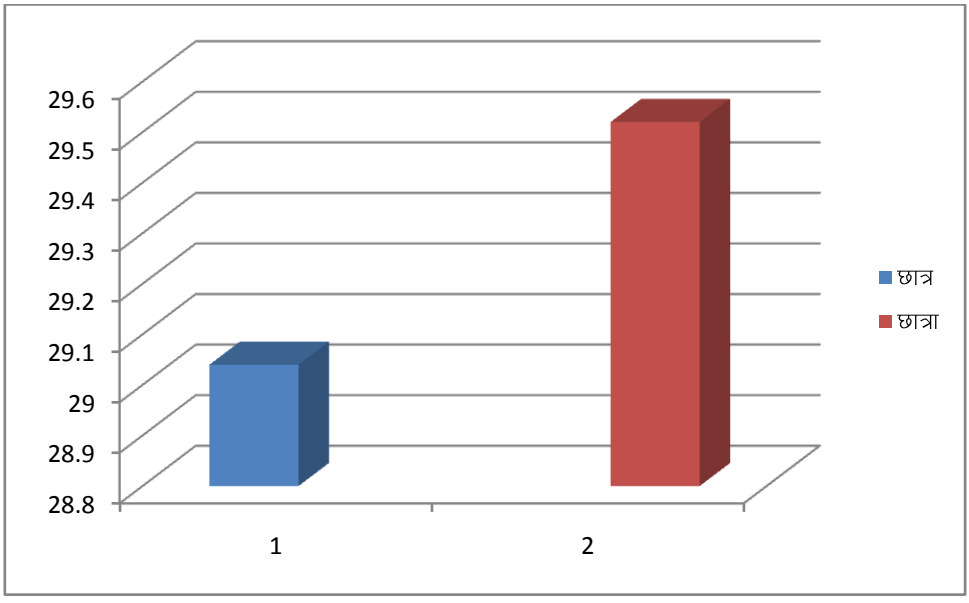

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

उपरोक्त सारणी में पहले समूह छात्रों के अभिवृत्ति मापनी के प्राप्तांकों का मध्यमान 29.04 प्रमाप विचलन 2.90 है तथा दूसरे समूह छात्राओं के प्राप्तांकों का मध्यमान 29.52 एवं प्रमाप विचलन 2.48 है। इन दोनों के मध्य CR मूल्य 0.53 है। जो 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं ह। अतः यह परिकल्पना ''कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं में राजनीति के प्रति आधुनिकता का दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा'' स्वीकृत होती है।

**परिकल्पना H04**

कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आधुनिकता और धर्म के संबंध के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

उक्त परिकल्पना को सत्यापित करने के लिए दोनों समूह के प्राप्तांकों के मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं CR मूल्य की गणना की गयी जो निम्न सारणी में दर्शाया गया है :

**सारणी कमांक 4**

| चर िक्षा | संख्या | माध्य | प्रमापविचलन | CR मूल्य | सार्थक/सार्थक नहीं |
|---|---|---|---|---|---|
| छात्र | 50 | 24.26 | 6.4 | 5.42 | सार्थक |
| छात्रा | 50 | 28.94 | 2.8 | | |
| Df | 98 | | | | |

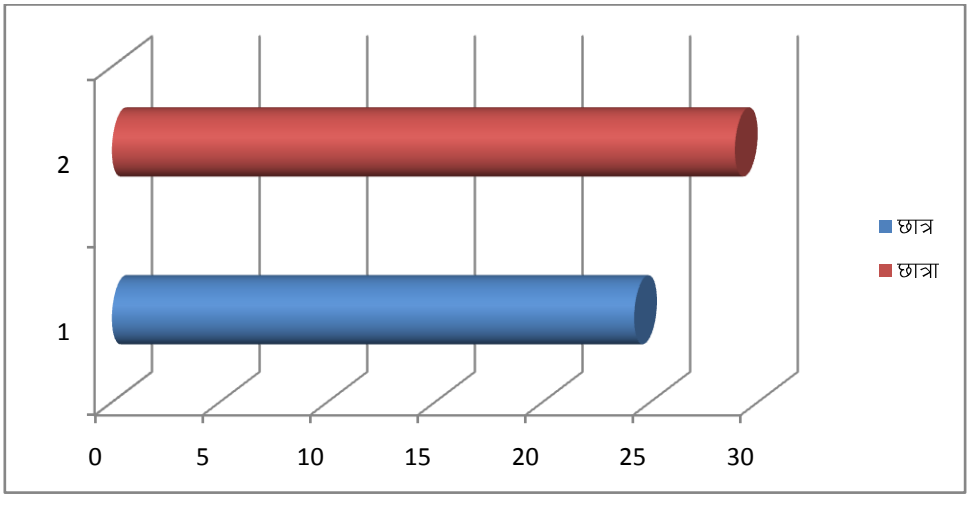

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के प्राप्तांकों का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं CR मूल्य सारणी उपरोक्त सारणी में प्रथम समूह के प्राप्तांकों का मध्यमान 34.26 तथा प्रमाप विचलन 6.4 और द्वितीय समूह के प्राप्तांकों का मध्यमान 28.94, प्रमाप विचलन 2.8 तथा दोनों समूह के मध्य CR मूल्य 5.42 है। जो कि 0.01 के स्तर में सार्थक है। अतः यह परिकल्पना ''कक्षा ग्याहरवीं में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के आधुनिकता और धर्म के संबंध के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा'' अस्वीकृत होती है। इसका कारण है कि आज महिलाओं को अपेक्षा पुरूष ज्यादा धर्म एवं पूजा–पाठ पर विश्वास करते हैं।

**विवेचना** :–

उपरोक्त परिणामों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि उच्चतर माध्यमिक के विद्यार्थियों में आधुनिकता के प्रति दृष्टिकोण सकारात्मक हैं। इसका कारण है कि आज आधुनिकीकरण ने हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। आधुनिक विचारों, यंत्रों तथा सिद्धांतों ने मानव की सोच बदल दी है। शिक्षा के क्षेत्र में आज इतने आधुनिक मशीनें, आधुनिक विधियाँ, शिक्षण रीतियाँ आदि प्रचलित हैं कि हम सरलता से एक जगह बैठकर देश के क्या विश्व के हर एक कोने पर अपने विचारो को प्रसारित कर सकते हैं। इससे लाभान्वित समाज आज हमारे सामने स्पष्ट परिलक्षित है।

अतः आधुनिकता ने हमारे समाज को प्रगति के उच्चतम पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसने माता–पिता का बच्चों के साथ संबंध में पारदर्शिता लाई है आज माँ और पिता अपने बच्चों के मित्र बनकर रहते हैं।

आधुनिक समाज में आधुनिकता ने प्रजातंत्र को और भी ज्यादा मजबूती प्रदान की है। आधुनिक सम्प्रेषण तकनीकी ने पूरे विश्व को एक परिवार की तरह समेट दिया है। धर्म को और प्रगाढ़ता प्रदान की ह। सामाजिक एवं सांस्कृतिक हमारे विरासतों को मानवता के लिए उपहार स्वरूप संजोया है। इसने न केवल हमारे देश बल्कि पूरे विश्व को लाभान्वित किया है।

अतः कक्षा ग्याहरवों के विद्यार्थियों में आधुनिकता के प्रति अभिवृत्ति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया है।

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

**भौक्षिक महत्व** :–

1. प्रस्तुत अध्ययन के माध्यम से आधुनिकिकरण के प्रति अभिवृत्ति से जुड़े घटकों को जानकार बालकों की वृत्तियों को सकारात्मक रूप से बदला जा सकता है।
2. आधुनिकीकरण के उपागम शिक्षा सामाजिक सांस्कृतिक वातावरण राजनीति से जुड़े पहलुओं को जानकर विद्यार्थियों की वैचारिक व तार्किक क्षमता को उनकी रूचि के आधार पर बदला जा सकेगा।
3. आधुनिकिकरण की अभिवृत्ति के सकारात्मक व नकारात्मक वैचारिक संदर्भों को जानकर परिमार्जित किया जा सकेगा।

शोध के घटक शिक्ष से संदर्भित होते है, अतः ये विभिन्न आयाम शैक्षिक दृष्टि से अलग–अलग वैचारिक दृष्टिकोणों को निर्मित करने में सहायक होगे।

**सुझाव** :–

शैक्षिक, सामाजिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हमारा उद्देश्य होता है विकासात्मक प्रगति। इसके लिए आधुनिकता एवं परम्परागत तथ्यों के बीच समायोजन नितांत आवश्यक है। इसके लिए आधुनिक परिवर्तनों को साथ लेकर हम अपनी सभ्यता संस्कृति एवं परम्पराओं की रक्षा करते हुए विकासात्मक मार्ग पर चलने की कोशिश कर रहे हैं। आधुनिक परिवर्तनों के प्रति हमारे दृष्टिकोण नित बदलते रहते हैं।

इस लघुशोध कार्य में शोधकर्ता ने आधुनिकता के प्रति विद्याथियों की अभिवृत्ति का अध्ययन किया। जिससे सम्बंधित अग्रलिखित सुझाव दिये हैं

1. शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक परिवर्तन को स्वीकार करें किन्तु इससे शिक्षा का मुख्य उद्देश्य ''बालक का सर्वांगीण विकास'' को क्षति नहीं पहुँचनी चाहिए।
2. आधुनिक विचारों को अपने पारिवारिक जीवन में भी स्वीकार किया जाए, परन्तु इससे हमारे सबंध और प्रगाढ़ और स्पष्ट हो हमें ऐसी चेष्टा करनी चाहिए।
3. हमारे सामाजिक एवं राजनीतिक परिवेश पर इसका अनुकूल प्रभाव पड़ना चाहिए। विद्यार्थियों को इन परिवेश की जानकारी होनी चाहिए।
4. समस्त विद्यालयों में नित नये आधुनिक परिवर्तनों की पूर्ण जानकारी विद्याथियों को देनी आवश्यक होनी चाहिए। .

ISSN: 2348–2605 Impact Factor: 6.789 Volume 10-Issue 4, (October-December 2022)

5. आधुनिकता का प्रभाव हर क्षेत्र पर स्पष्ट करने के लिए विद्यार्थियों को क्षेत्रीय भ्रमण पर ले जाकर दिखाना चाहिए।
6. विद्यार्थियों के अपने जीवन पर आधुनिकता से पड़ रह प्रभावों से अवगत कराना चाहिए।
7. आधुनिक विचारों के साथ सभ्यता संस्कृति का समायोजन करने की शिक्षा देनी चाहिए।
8. विद्यालयों द्वारा पत्र एवं पत्रिकाओं का निर्गमन किया जाना चाहिए।
9. पाठ्यक्रम में परिवर्तन के साथ विद्यार्थियों को उचित प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
10. समय समय पर सेमिनार का अयोजन करके आधुनिक हलचलों पर चर्चा करनी चाहिए।

**संदर्भ ग्रंथ** :–

1. अहलुवालिया एस. पी. (1971) मॉडनइजेशन इन इण्डिया एंड द रोल ऑफ टीचर एजुकेशन इन टीचर एजुकेशन एंड सोशल चेंज, न्यू दिल्ली इण्डिया एसोसिएशन ऑफ टीचर पृ. सं. 68, 75
2. आर. एस. पाण्डेय चाइल्ड सोशियोलॉईजेशन इन मॉडर्नईजेशन, सोमैय्या पब्लिकेशन प्रा0 लि0 1977।
3. अग्निहोत्री रविन्द्र (2007) आधुनिक भारतीय शिक्षा समस्याएँ एवं समाधान।
4. अस्थाना विपिन (1986) मनोविज्ञान और शिक्षा में सांख्यिकीय विनोद पुस्तक मंदिर आगरा पृ. सं. 325।
5. दिक्षीत दीप्ती (2017) आधुनिकरण व महिला शिक्षा व सशक्तिकरण पर अध्ययन रिसर्च जरनल ऑफ सोशल एंड लाइफ साइंसेस पंजीकत रिव्यूड/रेफर्ड पब्लिक रिसर्च जरनल, अंक XXIII-1, UGCSLNO. 1962, ISSN No. 0973-3914, Page No. 68.
6. कपिल एच के (1992–93) अनुसंधान विधियाँ आगरा, आर्यन बुक हाउस संस्करण सप्तम पृष्ठ– 40,43,71,75।
7. सिंह चित्रा (2014) शिक्षा की पारस्परिक व आधुनिक अवधारणा और शिक्षकों की भूमिका राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान परिषद ISSN No.- 0972-5636, Page No. 68 शोधगंगा।
8. रामपारसनाथ (1981) अनुसंधान परिचय आगरा–3 पृष्ठ सं. 295–298।